नमामि गंगे ने मेरठ में सीवेज उपचार अवसंरचना के विकास के लिये समझौते पर हस्ताक्षर किये

चर्चा में क्यों?

- 6 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के मेरठ में सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) और अन्य अवसंरचना के विकास के लिये एनएमसीजी उत्तर प्रदेश जल निगम और मैसर्स मेरठ एसटीपी प्रा. लिमिटेड के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बिंदु

- हाइब्रिड वार्षिकी पीपीपी मोड के अंतर्गत इस परियोजना की कुल लागत 369.74 करोड़ रुपए है और इसे दिसंबर, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- एनएमसीजी ने 220 एमएलडी की कुल क्षमता वाले सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) का निर्माण करने के लिये परियोजना को मंजूरी प्रदान की है, जिसमें इंटरसेप्शन एंड डायवर्सन (आई एंड डी) संरचनाओं का विकास, आई एंड डी नेटवर्क बिछाना, 15 वर्षों के लिये परिचालन एवं रखरखाव सहित सीवेज पंपिंग स्टेशन आदि जैसे अन्य कार्य भी शामिल हैं।
- इस परियोजना का उद्देश्य मेरठ शहर में मौजूदा सीवेज समस्याओं और इसके कारण काली नदी में सीवेज प्रदूषण की समस्या का समाधान करना भी है।
- इस परियोजना के पूरा होने के बाद मेरठ शहर से काली नदी (पूर्व) में अनुपचारित सीवेज का निर्वहन नहीं होगा, जिससे प्रदूषण में कमी आएगी।
- काली (पूर्व) कन्नौज के समीप गंगा नदी से मिलती है और इस परियोजना के पूरा होने से गंगा नदी के प्रदूषण में भी कमी लाने में मदद मिलेगी।
- इस समझौते पर उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के अधीक्षण अभियंता, एसके बर्मन, मयंक अग्रवाल, प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, मैसर्स मेरठ एसटीपी प्राइवेट लिमिटेड और विनोद कुमार, निदेशक (परियोजना), एनएमसीजी ने जी. अशोक कुमार, एनएमसीजी के महानिदेशक की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/namami-gange-signs-agreement-for-development-of-sewage-treatment-infrastructure-in-meerut